# पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन
## सत्र–2025–26
## विषय–संस्कृत
## कक्षा–11

| क्र0सं0 | माह | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| 1. | अप्रैल | व्याकरण– समास – तत्पुरुष, कर्मधारय, बहुव्रीहि। |
| 2. | मई | महाकवि बाणभट्ट का जीवन परिचय एवं गद्य शैली।<br>चन्द्रापीडकथा – आसीत् पुरा .....अवष्टभ्य तस्थौ। |
| 3. | जून | **ग्रीष्मावकाश** |
| 4. | जुलाई | महाकवि कलिदास का कवि परिचय एवं काव्य शैली।<br>रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या 01 से 16 तक।<br>शब्दरूप –पुंलिङ्ग : राम, हरि, गुरु, पितृ, भगवत्, करिन्, राजन्, पति, सखि, विद्वस्, चन्द्रमस्। |
| 5. | अगस्त | चन्द्रापीडकथा – असावपि पापः ..... सिंहासनम् आरुरोह।<br>धातुरूप– परस्मैपद – भू, पठ्, पा, गम्, दृश्, स्था, नी, अस्, नश्, आप्, शक्, इष्। प्रच्छ्, कृष्। (लट्, लङ्, लोट्, विधिलिङ्, लृट्) |
| 6. | सितम्बर | रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या 17 से 32 तक।<br>व्याकरण – स्वर सन्धि – इकोयणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः, वृद्धिरेचि, अकः सवर्णे दीर्घः, एङि पररूपम्, एङः पदान्तादति।<br>कारक एवं विभक्ति – प्रथमा विभक्ति (कर्ता कारक)<br>(1)स्वतन्त्रः कर्ता। (2) प्रातिपदिकार्थ लिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा। |
| 7. | अक्टूबर | नाटककार का जीवन परिचय एवं नाट्यशैली।<br>अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) (ततःप्रविशतः कुसुमावचयं नाट्यन्त्यौ सख्यौ।)<br>अनसूया– हला प्रियंवदे! .....श्लोक संख्या 03 तक।<br>**अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन** |
| 8. | नवम्बर | चन्द्रापीडकथा – अथ दिग्विजयाय ..... यथार्थमेव नाम कृतवान्।<br>रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या 33 से 40 तक।<br>व्याकरण – कारक तथा विभक्ति – द्वितीया विभक्ति<br>(कर्म कारक) (1) कर्तुरीप्सिततमं कर्म। (2) कर्मणि द्वितीया। (3) अकथितं च। (4) अधिशीङस्थासां कर्म (5) अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि (वा0) (6) |

| | | |
|---|---|---|
| | | कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे।<br>अलंकार – अनुप्रास, यमक। |
| 9. | दिसम्बर | चन्द्रापीडकथा – साहं पितृभवने बालतया..... सर्व रमणीयकानाम्<br>एकनिवासभूताम् कादम्बरीं ददर्श।'<br>अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) अनसूया– यद्यपि नाम विषयपराङमुखस्य .....<br>श्लोक संख्या 06 तक।<br>व्याकरण – कारक तथा विभक्ति – तृतीया विभक्ति (करण कारक)<br>(1) साधकतमं करणम्। (2) कर्तृकरणयोस्तृतीया।<br>(3) सहयुक्तेऽप्रधाने। (4) पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्।<br>(5) येनाङ्गविकारः। |
| 10. | जनवरी | अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) सख्यौ–हला शकुन्तले.....श्लोक सं0–10<br>(आकाशे) तक।<br>व्याकरण – अनुवाद – हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।<br>शब्दरूप – स्त्रीलिंग– रमा, मति, नदी, वधू, धेनु, वाच्, सरित्, श्री, स्त्री, अप्।<br>मित्र तथा सम्बन्धियों को पत्र।<br>प्रत्यय – क्तिन्, क्त्वा, ल्यप्, शतृ, शानच्, तुमुन्, यत्।<br>पुनरावृत्ति। |
| 11. | फरवरी | **गृह परीक्षा/वार्षिक परीक्षा का आयोजन।** |
| 12. | मार्च | परीक्षाफल का वितरण। |